

ZÚMEसत्र 10 का वीडियो स्क्रिप्टस्

नेटवर्क में अगुवाई

इस सत्र में, हम सीखेंगे कि नेटवर्क में लीडरशिप - छोटे चर्च के बढ़ते समूह को एकसाथ काम करने, नये लीडर्स तैयार करने और अच्छी चीजों को प्राप्त करने में कैसे मदद करता है जिसकी योजना परमेश्वर ने अपने लोगों के लिए की है।

चर्च के साथ क्या होता है, जब वे बढ़ते हैं और नये चर्च की शुरुवात करते हैं जो एक और नये चर्च की शुरुवात करते हैं? वे कैसे जुड़े रहते हैं? और एक बड़े आत्मिक परिवार के रूप में कैसे जीते हैं?

इसका जवाब है ये सभी साधारण चर्च शरीर में कोशिकाओं की तरह बढ़ते हैं और एक साथ जुड़ते हैं और शहर या क्षेत्रीय चर्च में नेटवर्क बनाते हैं।

चर्च एक दूसरे से जुड़े होते हैं। उनके पास एक जैसा आत्मिक डी.एन.ए होता है। ये सब बढ़नेवाले प्रथम परिवार से जुड़े होते हैं।

अब - थोड़े मार्गदर्शन से - और ज्यादा करने के लिए वे एक बड़े शरीर के रूप में साथ आते हैं। परमेश्वर का वचन बताता है कि, शहर और क्षेत्रीय स्तर पर विश्वासियों की बढ़ती देह की सेवा लीडर्स का नया समूह करता है।

नये नियम में, चर्च इन सेवकों को प्राचीन और उपयाजक (डिकन), भंडारी और भेड़ों के रखवाले कहता है।

परमेश्वर के वचन में हम सीखते हैं कि यरुशलेम शहर में बहुत से छोटे घरेलू चर्च की की सेवाकाई 7 सेवकों का समूह - या उपयाजक (डिकन्स) करते थे।

परमेश्वर के वचन में हम सीखते हैं कि इफिसुस शहर में बहुत से घरेलू चर्च की सेवाकाई प्राचीनों - चरवाहों के छोटे से समूह द्वारा की जाती थी, जिन्हें अच्छे चरवाहा - यीशु के उदाहरण पर चलना था और भेड़ों के लिए अपनी जान देनी थी।

शहर या क्षेत्र में हम लीडरशिप के पाँच वरदानों को देखते हैं।

परमेश्वर का वचन कहता है - मसीह ने प्रेरितों, भविष्यवक्ताओं, सुसमाचार प्रचारकों, पासवानों और शिक्षकों को आत्मिक वरदान दिये ताकि वे सेवा के लिए लोगों को तैयार करें और मसीह की देह उन्नति पाए।

ये आत्मिक वरदान इसलिए नहीं दिये गए कि छोटा समूह चर्च का सारा काम करे, बल्कि इसलिए कि वे सेवा करें और यीशु के शिष्यों को काम के लिए तैयार करें - ताकि विश्वासियों की संपूर्ण देह साथ मिलकर परमेश्वर की सभी इच्छाओं को पूरा करें।

अपने आत्मिक परिवार या इन जगहों के अलावा ये लीडर्स आपस में मिलते और प्रार्थना करते और सहभागिता करते और एक दूसरे को उत्साहित करते, ठीक उसी तरह जैसे घर में कोई साधारण चर्च करता था।

लीडरशिप प्रशिक्षण सभाओं और साथियों को तैयार करने में 3^{४3} नमूने का इस्तेमाल किया गया है।

योजना बनाने, आकलन करने और उच्च स्तर पर सिखाने के लिए चार क्षेत्रीय नमूने का उपयोग किया गया, जैसा कि यह स्थानीय स्तर पर है।

जब लीडर्स मिलते हैं तो वे बताते हैं कि उनके साथ और उनके नेटवर्क में क्या हो रहा है। वे परिवारों का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनकी कुशलता के बारे में बताते हैं।

आत्मिक परिवारों के नेटवर्क के लिए केंद्र एक अच्छा स्थान है, जहाँ से नेटवर्क शुरू होता है। एक चर्च नेटवर्क जो ताम्पा से शुरू होता है, वह ताम्पा में शहर का चर्च होगा। जब वे बढ़ते हैं और पूरे राज्य में सेवकाई करते हैं, तो वे फ्लोरिडा में नेटवर्क के लिए काम करेंगे। जब वे देश में और दुनिया में भेजे जाते हैं और सेवकाई करते हैं, तो वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं।

यीशु ने कहा है - यदि तुम थोड़े में विश्वासी हो तो बहुत में भी विश्वासी हो।

चर्च के ये नेटवर्क एक दूसरे से जुड़े होते हैं, उनके एक जैसे आत्मिक डी.एन.ए और एक जैसी शुरूवात होने के कारण। कभी कभी नेटवर्क बहुत से नेटवर्क में बँट जाते हैं, भाषा, मिलने के अवसर या अन्य कारणों से।

ये बढ़ोतरी का हिस्सा है ना कि परेशानी का।

सीखने, आज्ञा मानने और परमेश्वर के वचन को बाँटने के लिए साधारण चर्च और शिष्यों की इच्छा एक अभियान के आत्मिक डी.एन.ए हैं। यदि ये सफतापूर्वक पीढ़ी से पीढ़ी, चर्च से चर्च और विश्वासी से विश्वासी को दे दिये जाएं, तो शिष्यों को बढ़ाने के नये अभियान की शुरूवात करने के लिए हर आवश्यक चीजें आत्मिक परिवार में तथा यीशु के हर शिष्यों में पहले से ही मौजूद रहेंगी।

जब अभियान, अभियान की शुरूवात करता है, तब हम शहर या राज्य या देश के आँटे में "खमीर" को काम करते हुए देखते हैं। परमेश्वर का राज्य इस तरह से आता है कि परमेश्वर की इच्छा पृथ्वी पर उसी तरह से पूरी होती है जैसे स्वर्ग में होती है। इस तरह से सभी देशों को शिष्य बनाने के द्वारा हम इस महान अभियान को पूरा कर सकते हैं।